आईआईएफएल फांउडेशन ने बीच में पढ़ाई छोड़ चुकी 25,000 स्कूली लड़कियों को फिर से शिक्षा से जोड़ा

जयपुर। आईआईएफएल फाउंडेशन ने बीच में ही पढ़ाई छोड़ चुकी 25,000 लड़कियों को फिर से पढ़ाई से जोड़ा है। लड़कियों को दोबारा कक्षाओं में पहुंचाने की यह उपलब्धि संस्थान ने राजस्थान के दूरदराज के इलाकों में स्कूल न जाने वाली लड़कियों के लिए सामुदायिक स्कूल या 'सखियों की बाड़ी' के माध्यम से स्थानीय समुदायों के साथ जुड़कर हासिल की है। उदयपुर जिले के कड़ेछवास में इस तरह के एक स्कूल के उद्घाटन के मौके पर सांसद, उदयपुर, अर्जुनलाल मीणा ने कहा कि हम आईआईएफएल फाउंडेशन के कार्यों की सराहना करते हैं और राजस्थान में उनके शैक्षिक अभियानों के लिए उन्हें अपना पूरा सहयोग देने का वायदा करते हैं। आईआईएफएल की सीईओ, सारिका कुलकर्णी ने कहा कि हमने दक्षिणी राजस्थान में अपने प्रयास शुरु किए और अब हमारा लक्ष्य पूरे राज्य में जाकर यह सुनिश्चित करना है कि राज्य की हर एक लड़की स्कूल जाया करे। सरकार और स्थानीय समुदाय हमें पूरा सहयोग कर रहे हैं और उनके सहयोग ने ही हमारा यह अभियान सफल बनाया है। भारत में लाखों लड़कियां निरक्षर हैं और स्कूल नहीं जातीं। 2011 की जनगणना के अनुसार अकेले राजस्थान में 10 लाख लड़कियां स्कूल नहीं जाती हैं। लड़कियों को पढ़ाई से दूर करने के लिए कई समस्याएं जिम्मेदार हैं, जिनमें घर की जिम्मेदारियां, दूरदराज के इलाकों में स्कूल का न होना और लड़कियों को स्कूल भेजने में माता-पिता की रुचि न होना प्रमुख हैं।